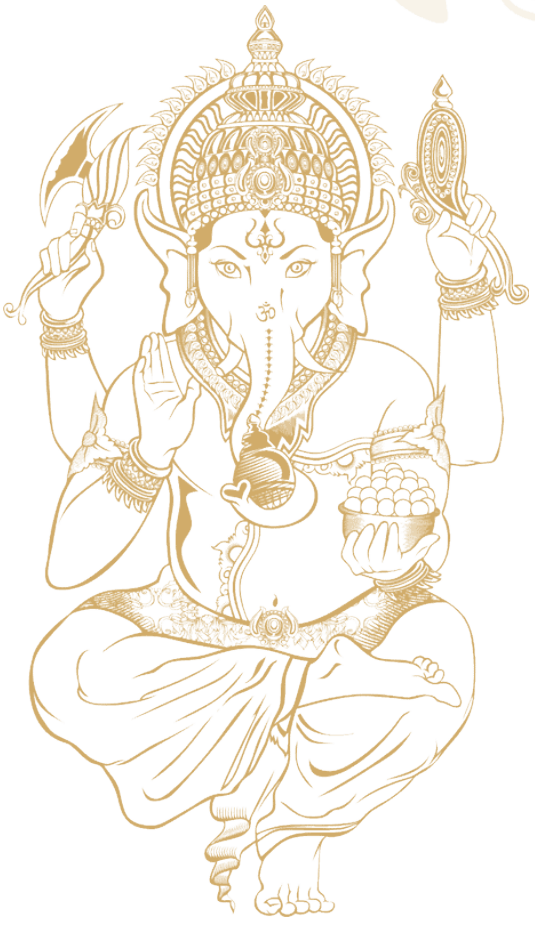

Aleena

23 Sep 2021

09:57 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121430302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/09/2021**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**09:57:00 घंटे**
इष्ट	09:40:31 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:41:16 घंटे
वेलान्तर	00:07:37 घंटे
साम्पातिक काल	09:50:15 घंटे
सूर्योदय	06:04:47 घंटे
सूर्यास्त	18:10:57 घंटे
दिनमान	12:06:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:12:53 कन्या
लग्न के अंश	26:55:31 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चुन्नी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:55:31	312:36:22	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	06:12:53	00:58:42	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	सम राशि
चंद्र			मेष	01:39:27	12:19:19	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	11:08:31	00:39:00	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
बुध			तुला	00:28:38	00:23:57	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मक	29:11:58	00:04:46	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	नीच राशि
शुक्र			तुला	19:55:13	01:07:50	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	मूलत्रिकोण
शनि	व		मक	12:59:18	00:01:45	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		वृष	09:25:29	00:07:05	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	09:25:29	00:07:05	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	20:10:21	00:01:34	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप	व		कुंभ	27:23:17	00:01:38	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो	व		मक	00:12:07	00:00:23	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			सिंह	01:07:55	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:22

लग्न-चलित

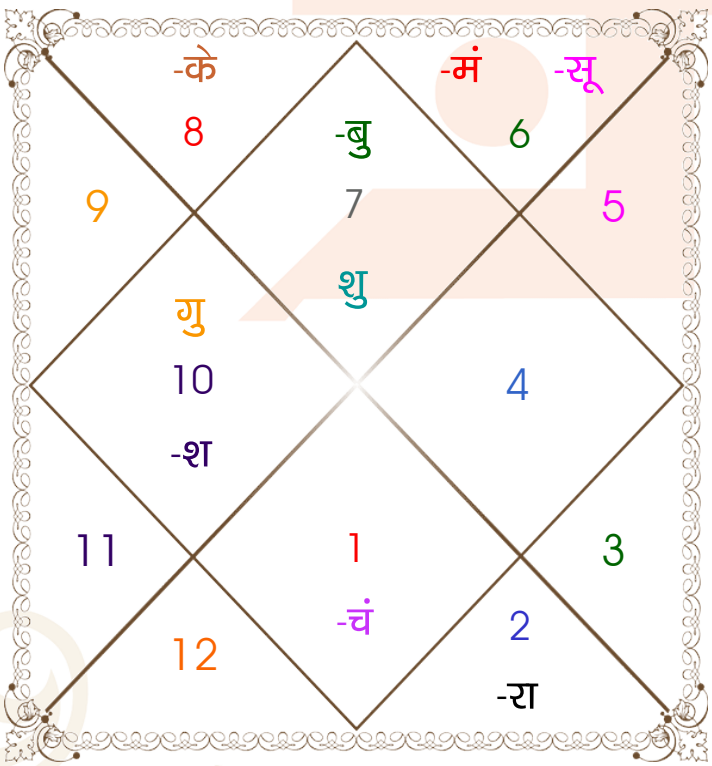

चन्द्र कुंडली

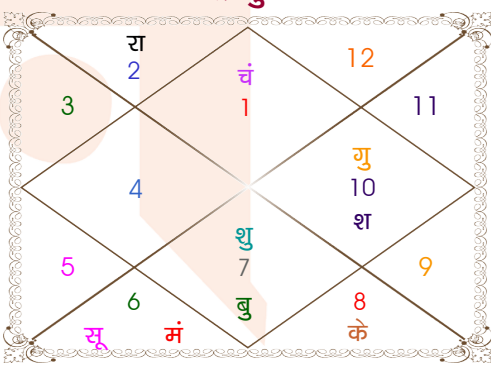

नवमांश कुंडली

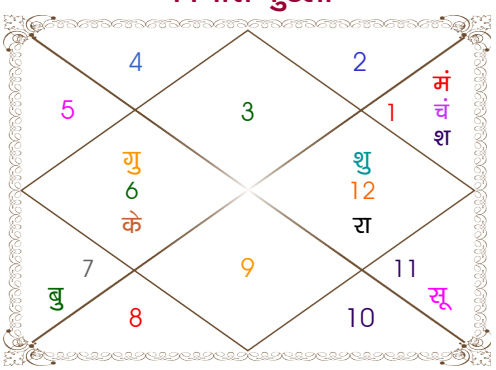

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 1 मास 16 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/09/2021		10/11/2027		10/11/2047		09/11/2053		10/11/2063	
10/11/2027		10/11/2047		09/11/2053		10/11/2063		10/11/2070	
	23/09/2021	शुक्र	11/03/2031	सूर्य	27/02/2048	चंद्र	10/09/2054	मंगल	07/04/2064
शुक्र	07/06/2022	सूर्य	11/03/2032	चंद्र	28/08/2048	मंगल	11/04/2055	राहु	25/04/2065
सूर्य	13/10/2022	चंद्र	09/11/2033	मंगल	03/01/2049	राहु	10/10/2056	गुरु	01/04/2066
चंद्र	14/05/2023	मंगल	09/01/2035	राहु	28/11/2049	गुरु	09/02/2058	शनि	11/05/2067
मंगल	10/10/2023	राहु	09/01/2038	गुरु	16/09/2050	शनि	10/09/2059	बुध	07/05/2068
राहु	28/10/2024	गुरु	09/09/2040	शनि	29/08/2051	बुध	08/02/2061	केतु	04/10/2068
गुरु	04/10/2025	शनि	10/11/2043	बुध	04/07/2052	केतु	09/09/2061	शुक्र	04/12/2069
शनि	13/11/2026	बुध	10/09/2046	केतु	09/11/2052	शुक्र	11/05/2063	सूर्य	11/04/2070
बुध	10/11/2027	केतु	10/11/2047	शुक्र	09/11/2053	सूर्य	10/11/2063	चंद्र	10/11/2070

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
10/11/2070		09/11/2088		10/11/2104		11/11/2123		10/11/2140	
09/11/2088		10/11/2104		11/11/2123		10/11/2140		00/00/0000	
राहु	23/07/2073	गुरु	28/12/2090	शनि	14/11/2107	बुध	08/04/2126	केतु	08/04/2141
गुरु	16/12/2075	शनि	11/07/2093	बुध	24/07/2110	केतु	06/04/2127	शुक्र	24/09/2141
शनि	22/10/2078	बुध	16/10/2095	केतु	02/09/2111	शुक्र	04/02/2130		00/00/0000
बुध	11/05/2081	केतु	21/09/2096	शुक्र	01/11/2114	सूर्य	11/12/2130		00/00/0000
केतु	29/05/2082	शुक्र	23/05/2099	सूर्य	14/10/2115	चंद्र	11/05/2132		00/00/0000
शुक्र	29/05/2085	सूर्य	12/03/2100	चंद्र	15/05/2117	मंगल	09/05/2133		00/00/0000
सूर्य	23/04/2086	चंद्र	12/07/2101	मंगल	24/06/2118	राहु	26/11/2135		00/00/0000
चंद्र	23/10/2087	मंगल	17/06/2102	राहु	30/04/2121	गुरु	03/03/2138		00/00/0000
मंगल	09/11/2088	राहु	10/11/2104	गुरु	11/11/2123	शनि	10/11/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 1 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली है। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगी।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखती हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझती हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानती है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाती हैं। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाती बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करती हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेती हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेती हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगी। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगी।

आप अपना परिवार जीवन सुखपूर्ण व्यतीत करेंगी। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगी। आप निःसंदेह पूर्वक अपने समझदार पति एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगी। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकती है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगी। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती है। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगी का चुनाव कर सकती हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगी।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकती हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।